Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

4. भारतीय राजनीति में बाबू जगजीवन राम का प्रमुख योगदान

सरताज सिंह
विद्यार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
ईमेल- **singhsartaj485@gmail.com**

शोध सार

भारत की राजनीति में बहुत सारे नेताओं के द्वारा देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है. परंतु बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय राजनीति में अपना एक विशेष व महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है. उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनता के विकास के लिए काफी ज्यादा नई-नई योजनाए बनाई ताकि भारत की जनता पूर्ण रूप से विकसित हो सके। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को एक समान माना और समाज से जाति प्रथा को समाप्त करने पर बल दिया। उन्होंने समाज में दलित वर्ग को आगे लाने के लिए काफी ज्यादा प्रयास किए। इसके साथ ही उन्होंने किसानों के उत्थान के लिए काफी ज्यादा कार्य किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में नागरिकों को सभी तरह की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नई नई योजनायें बनाई ताकि ग्रामीण क्षेत्र में भी नागरिकों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध हो पाए। उन्होंने भारतीय सेना को भी पूर्ण रूप से सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जोकि भारतीय सेना के लिए काफी ज्यादा सहायक साबित हुए। इस तरह से बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय राजनीति में अपनी विशेष पहचान बनाई गई। क्योंकि उनके द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान एक स्वच्छ व साफ छवि के नेता के रूप में उभरकर जनता के समक्ष आए और जनता के द्वारा भी उन्हें काफी ज्यादा प्रेम व प्यार दिया गया। क्योंकि वह जनता के साथ जुड़कर कार्य करना चाहते थे। इस शोध पत्र के माध्यम से मैं यह शोध करने का प्रयास करूंगा कि बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय राजनीति में जो महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। उसकी जानकारी प्राप्त की जा सके। इस तरह से अपने इस शोध पत्र में मैं बाबू जगजीवन राम के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों की जाँच का वर्णन करूंगा। इस तरह से मेरा शोध पत्र मुख्यता उनके राजनीतिक जीवन पर आधारित रहेगा।

मुख्य शब्द: दलित उत्थान, किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, सैन्य शक्ति में वृद्धि, डाकघरो का विस्तार

प्रस्तावना

भारत की राजनीति में बहुत सारे नेताओं के द्वारा अपनी एक विशेष पहचान बनाई गई है। उन सब विशेष नेताओं में बाबू जगजीवन राम का नाम भी अपना एक अलग स्थान रखता है। क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इस तरह के कार्य किए कि जनता के द्वारा उन्हें आज भी याद किया जाता है। 5 अप्रैल 1908 को बाबू जगजीवन राम का जन्म हुआ था और वे भारत की राजनीति में प्रथम दलित उप-प्रधानमंत्री बने और उन्होंने दलित वर्ग के उत्थान के लिए भी काफी ज्यादा कार्य किया। वे मात्र 28 साल की आयु में ही 1936 में विधानसभा के सदस्य नियुक्त हुए थे। तभी से उनका राजनीतिक जीवन शुरू हुआ और वे आगे भारतीय राजनीति में अपना एक विशेष स्थान बनाते

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

गए। बाबू जगजीवन राम के द्वारा राजनीति में देश की जनता के विकास के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। क्योंकि उन्होंने अपने समय में यह अनुभव किया था कि समाज में दलित वर्ग के साथ काफी ज्यादा घोर अत्याचार किए जाते हैं और इन्हीं अत्याचारों को समाप्त करने के लिए उन्होंने राजनीति में आगे आकर दलित वर्ग के उत्थान पर काफी ज्यादा कार्य किया। ताकि समाज के पिछड़े वर्गों को आगे लाया जा सके और उन्हें समाज में एक विशेष पहचान दिलवाई जा सके। इस तरह से भारतीय राजनीति में बाबू जगजीवन राम का एक महत्वपूर्ण स्थान है और आज भी भारत की जनता के द्वारा बाबू जगजीवन राम के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को याद किया जाता है। क्योंकि उनके द्वारा किए कार्य आज भी जनता के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

"भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए सर्वप्रथम देश से जाति प्रथा को समाप्त करना होगा"

-बाबू जगजीवन राम

शोध पत्र के उद्देश्य

1. बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारत के विकास के लिए बनाई गयी योजनाओ की जानकारी प्राप्त करना।
2. बाबू जगजीवन राम जनता के प्रिय नेता किस तरह से बने।
3. बाबू जगजीवन राम के द्वारा दलित वर्ग का उत्थान किस तरह से किया।
4. बाबू जगजीवन राम ने ग्रामीण इलाको के विकास के लिए किस तरह की रणनीति बनाई गयी।
5. बाबू जगजीवन राम ने भारतीय सैन्य शक्ति में वृद्धि के लिए किस तरह कार्य किया।

बाबू जगजीवन राम की भारतीय राजनीति में विशेष पहचान

भारत की राजनीति में बहुत सारे नेताओं के द्वारा अपनी एक विशेष पहचान बनाई गई है। उन सब मुख्य नेताओं में बाबू जगजीवन राम का विशेष नाम आता है। क्योंकि बाबू जगजीवन राम के द्वारा समाज के हर वर्ग को आगे लेकर चलने का संकल्प लिया गया था। उन्होंने हमेशा यह प्रयास किया कि समाज के सभी वर्गों का एक समान विकास किया जाए। वह समाज से जाति व्यवस्था को समाप्त करना चाहते थे। जिस कारण से दलित वर्ग का उन्हें विशेष प्रोत्साहन मिला। क्योंकि दलित वर्ग को उन्होंने समाज में आगे लाने का काफी ज्यादा प्रयास किया। दलित वर्ग बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा किए जा रहे कार्यों पर काफी ज्यादा खुश था। इसके साथ ही अन्य सभी वर्ग भी भारत की राजनीति में बाबू जगजीवन राम के द्वारा अन्य सभी महत्वपूर्ण किए जाने वाले कार्यो से काफी ज्यादा खुश थे। बाबू जगजीवन राम जी ने हमेशा ही किसानों के कल्याण के लिए नई-नई योजनाए बनाई। ताकि भारत के किसान वर्ग को काफी ज्यादा लाभ मिल सके और वह अपना उत्थान करने के बाद स्वयं अच्छा जीवन व्यतीत कर सकें। इस तरह से सैनिकों के लिए भी उन्होंने काफी अच्छी योजनाए बनाई ताकि भारत सैनिक शक्ति में भी काफी ज्यादा मजबूत बन सके। बाबू जगजीवन राम के द्वारा सूचना व प्रसार की क्रांति में भी काफी ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। इस तरह से भारतीय राजनीति में बाबू जगजीवन राम को एक विशेष पहचान मिली। क्योंकि विशेष पहचान उन्हीं व्यक्तियों को मिलती है जो कुछ अलग करके दिखाते हैं या जिनमें कुछ अलग

The Asian Thinker

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

करने की काबिलियत होती है। बाबू जगजीवन राम भी ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व थे। जिनके द्वारा देश के विकास के लिए अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया और समाज में दलित वर्ग के उत्थान पर काफी ज्यादा बल दिया तभी उनकी भारतीय राजनीति में एक विशेष पहचान बन पाई है।

राजनीति में रहकर दलित वर्ग के उत्थान पर बल

बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा यह अनुभव किया गया कि भारत में दलित वर्ग के साथ काफी ज्यादा अन्याय होता है। उन्होंने स्वयं भी जिस समय शिक्षा प्राप्त की थी उन्हें दलित होने का संघर्ष झेलना पड़ा था। जिस कारण से उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे भारत में दलित वर्ग को समाज में आगे लाने का प्रयास करेंगे। ताकि सभी पिछड़े वर्गों को भारत में आगे लाया जा सके और सभी का एक समान विकास हो सके। आज वर्तमान समय में भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देता है। इस तरह से बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा जो महत्वपूर्ण कार्य किए गए थे उसकी आज वर्तमान समय में काफी ज्यादा प्रसांगिकता है। आज भारत में दलित वर्ग के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता है और उसकी समाज में काफी ज्यादा स्थिति भी सुधरी है और आने वाले समय में दलित वर्ग की स्थिति काफी ज्यादा मजबूत होगी। क्योंकि आज दलित वर्ग के सभी नागरिकों को आरक्षण के आधार पर सरकारी नौकरियों में भी पहल दी जाती है ताकि उनका उत्थान हो सके। इस तरह से बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा दलित वर्ग के उत्थान पर काफी ज्यादा बल दिया गया। ताकि दलित वर्ग के नागरिकों को समाज में आगे लाया जा सके। क्योंकि प्राचीन समय से ही दलित वर्ग को पीछे रखने का प्रयास किया जाता रहा है। इस तरह से बाबू जगजीवन राम ने एक अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और उन्होंने दलित वर्ग के कल्याण के लिए नई योजनाए बनाई ताकि दलित वर्ग को समाज के अंदर अपनी एक अलग पहचान मिल पाए और पूर्ण रूप से आर्थिक रूप से सक्षम बन पाए। इस तरह से पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए बाबू जगजीवन राम एक मसीहा के रूप में आए और उन्होंने दलित वर्ग को समाज में आगे लाने के लिए काफी महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके किए कार्यो की वर्तमान समय में प्रसंगिकता बनी हुई है।

किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं

बाबू जगजीवन राम ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित थे और उन्होंने किसानों के कड़े संघर्ष को देखा हुआ था। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जिस समय वे कृषि मंत्री थे तो उन्होंने किसानों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई ताकि किसानों का उत्थान हो सके। क्योंकि प्राचीन समय से लेकर ही किसान की दशा बहुत ही खराब थी। क्योंकि उसके ऊपर कर्ज का काफी ज्यादा भार होता था। उसी के अनुरूप चलते हुए बाबू जगजीवन राम के द्वारा किसानों के लिए कम ब्याज दर पर कर्ज उपलब्ध करवाए गए। ताकि किसान आने वाले समय में सक्षम हो सके और आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके और किसानों को मुफ्त बीज व खाद की व्यवस्था भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा की गई। ताकि किसानों को आर्थिक रूप से समाज में आगे लाया जा सके। इस तरह से अपने कृषि मंत्रि के कार्यकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्र से होने के कारण किसानों की सभी समस्याओं को सुलझाने का बाबू जगजीवन

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

राम के द्वारा प्रयास किया गया। आज वर्तमान समय में भारत के सभी किसान बाबू जगजीवन राम के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को याद करते हैं और उनके कार्यों की सराहना करते हैं। क्योंकि उन्होंने हमेशा ही किसानों के हित की बात की थी। उन्होंने प्रयास किया कि किसान पूर्ण रूप से सक्षम हो पाए। उनका मानना था कि किसान ही एक ऐसा व्यक्ति है जो पूरे देश का पेट भरता है। इसलिए उन्होंने किसान के कल्याण के लिए सर्वाधिक योजनाओं को लाने का फैसला किया ताकि किसान वर्ग का पूरी तरह से विकास हो पाए। उन्हें किसी तरह की कोई समस्या न उत्पन्न हो पाए। आज वर्तमान समय में भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को किसान वर्ग के द्वारा हमेशा के लिए याद रखा गया है। इस तरह से बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई गयी। जिस कारण से भारतीय राजनीति में उनकी एक विशेष पहचान बनी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों का विकास

बाबू जगजीवन राम के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों का विकास करने के लिए काफी अथक प्रयास किए गए। क्योंकि वह ग्रामीण क्षेत्रों को डाक सेवा के साथ जोड़ना चाहते थे। उनका मानना था कि डाक सेवा केवल शहरों में ही उपलब्ध है। इसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी लेकर जाना चाहिए। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को डाक लेने के लिए शहरों में जाना पड़ता है। जिस कारण से उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं सब मुश्किलों को देखते हुए बाबू जगजीवन राम के द्वारा यह निर्धारित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों की स्थापना होगी और जिसमें डाकघरो में कार्य करने के लिए नए कर्मचारियों को भर्ती किया जाएगा। ताकि वह ग्रामीण लोगों के विकास के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें और जिससे ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को डाक सेवा गांव में ही मिल सके। बाबू जगजीवन राम महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानते थे। जिस कारण से वह महात्मा गांधी जी के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। उनका मानना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए जो शहरों में होती हैं। इस तरह से यह सिद्धांत महात्मा गांधी का था जिसे बाबू जगजीवन राम के द्वारा अपनाया गया। इस तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघर की सुविधा को शुरू करने में बाबू जगजीवन राम के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। जिसकी आज वर्तमान समय में हम प्रसांगिकता देख पा रहे हैं। आज वर्तमान समय में हर गांव में डाकघर की सुविधा उपलब्ध है। इसका मुख्य श्रेय बाबू जगजीवन राम को जाता है और आज भारत की जनता भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा डाकघर को लेकर जो महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं उसको याद करती है जिस कारण से भारत की राजनीति में इस तरह की एक महान छवि वाले नेता की एक विशेष पहचान बन पाई है।

भारतीय रेल की दशा में सुधार

बाबू जगजीवन राम जिस समय रेल मंत्री थे तो उन्होंने भारत की रेल की दशा को सुधारने का एक महत्वपूर्ण जिम्मा उठाया। उन्होंने सबसे पहले भारतीय रेल के आधुनिकरण पर बल दिया। उनका मानना था कि भारत में रेल का जो निर्माण कार्य किया जा रहा है वह प्राचीन ढंग से किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने नई तकनीक को लाने की

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

बात की। बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय रेल को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए व इसमें नई तकनीक लाने के लिए नई-नई योजनाए बनाई गई। इसके साथ ही उन्होंने विदेशी राष्ट्रों से भी भारतीय रेल को मजबूत करने के लिए कुछ उपकरणों को खरीदा ताकि उनका इस्तेमाल करके भारतीय रेल की दशा में सुधार किया जा सके और भारतीय रेल पूर्ण रूप से आधुनिक हो जाए और तेज गति के साथ चले। ताकि नागरिक भी सस्ते किराए पर जल्दी अपने स्थान पर पहुंच पाए। जिससे कि भारत की जनता को काफी ज्यादा लाभ हो पाएगा। क्योंकि जिस समय बाबू जगजीवन राम रेल मंत्री थे उस समय भारत की अधिकतर जनता के द्वारा रेल के माध्यम से ही अपनी यात्रा की जाती थी। जिसको देखते हुए बाबू जगजीवन राम ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया कि भारतीय रेल का आधुनिकरण काफी ज्यादा जरूरी है। क्योंकि भारतीय रेल में उस समय काफी बदलाव की जरूरत थी क्योंकि उस समय रेल की पटरियों का जाल भी बहुत कम स्तर पर फैला हुआ था। इस तरह से अपने रेल मंत्रालय के कार्यकाल के दौरान बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय रेल को एक नई दिशा दी गई। जिस कारण से भारतीय रेल का आधुनिकरण हुआ और भारत की जनता को रेल से काफी ज्यादा लाभ प्राप्त हुआ और वे बहुत ही कम समय में सस्ते किराए पर अपनी यात्रा करने लगे। जिस कारण से आज वर्तमान समय में भारत की जनता के द्वारा बाबू जगजीवन राम के द्वारा रेल के लिए जो मुख्य योजनाए बनाई गई थी उनको याद किया जाता है। जिस कारण से भारत की राजनीति में बाबू जगजीवन राम के द्वारा अपनी एक विशेष पहचान बनाई गयी।

भारतीय सेना को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

बाबू जगजीवन राम जिस समय रक्षा मंत्री बने। उस समय उन्होंने यह अनुभव किया कि भारत की सेना के पास आधुनिक हथियारों की कमी है जिसको पूरा करने के लिए उन्होंने अपने मित्र राष्ट्रों से सहायता ली। उन्होंने रूस से बहुत ही आधुनिक किस्म के हथियारों का आयात किया। ताकि भारत की सेना के पास आधुनिक किस्म के हथियार हो जिससे कि वे दुश्मनों का सामना बड़ी ही आसानी से कर सके। इस तरह से काफी बड़ी संख्या में रूस से हथियारों का आयात किया गया। जोकि भारतीय सेना को सशक्त बनाने के लिए काफी ज्यादा महत्वपूर्ण साबित हुआ। क्योंकि भारतीय सेना के पास आधुनिक हथियारों की कमी थी। जिसको समझते हुए बाबू जगजीवन राम के द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रूस से हथियारों का आयात किया गया जोकि भारत के हित में भी था। आज वर्तमान समय में भी भारत सेना को सशक्त बनाने के लिए रूस से ही आधुनिक किस्म के हथियारों का आयात करता है। परंतु इसकी शुरुआत बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा की गई थी। जिस कारण से भारतीय सेना काफी ज्यादा सशक्त हुई और आज भी काफी ज्यादा सशक्त है। इस कारण से बाबू जगजीवन राम को भारत की जनता के द्वारा अमूल्य योगदान देने के लिए याद किया जाता है और आज भारत की राजनीति में अगर कोई मजबूत रक्षा मंत्री के रूप में हम देखतें हैं तो हमारे समक्ष बाबू जगजीवन राम नाम जरूर आता है। क्योंकि अपने रक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत की सेना को सशक्त बनाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इस योगदान को भारत की जनता के द्वारा कभी भुलाया नहीं जा सकता। क्योंकि भारत आज वैश्विक स्तर पर सैनिक शक्ति के रूप से सक्षम है। जिस कारण से इसका मुख्य श्रेय बाबू जगजीवन राम को जाता है क्योंकि उन्हीं के द्वारा

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

भारत की सेना को सक्षम व सशक्त बनाने के लिए नई-नई योजनाए बनाई गई और भारत की सेना के लिए आधुनिक किस्म के हथियारों का आयात भी उन्हीं के द्वारा शुरू किया गया। इस तरह से भारत की राजनीति में उनकी एक विशेष पहचान बन पाई।

ग्रामीण क्षेत्र के विकास पर बल

बाबू जगजीवन राम के द्वारा राजनीति में प्रवेश करने के तुरंत बाद ग्रामीण क्षेत्र के विकास पर काफी ज्यादा बल दिया गया। क्योंकि बाबू जगजीवन राम भी ग्रामीण क्षेत्र से ही संबंध रखते थे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को अनुभव किया हुआ था। उन्होंने सरकार में आने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया जो कि शहरों में उपलब्ध होती हैं। क्योंकि वे महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानते थे और महात्मा गांधी के द्वारा गांव को सशक्त बनाने के लिए एक सपना देखा गया था जिसे पूरा करने के लिए बाबू जगजीवन राम ने अपना एक महत्वपूर्ण योगदान दिया। बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों, बिजली, पानी आदि मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध करवाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया गया और उन्होंने अपने मंत्री के पद के कार्यकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को समाज में आगे लाने के लिए कई नयी तरह की योजनाए बनाई। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक शहरों में आकर रोजगार प्राप्त कर सके और उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर मिल सके। इस तरह से ग्रामीण क्षेत्रों को ऊंचे स्तर पर ले जाने के लिए बाबू जगजीवन राम के द्वारा अथक प्रयास किए गए। क्योंकि वे यह चाहते थे कि ग्रामीण क्षेत्र भी शहरों की तरह विकसित बन पाए। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों को अविकसित मानकर यहां की जनता को अनपढ़ व गवार समझा जाता था। जिसको बाबू जगजीवन राम जी कभी पसंद नहीं करते थे। जिस कारण से उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की जनता व ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने के लिए विकास कार्यों पर काफी ज्यादा जोर दिया। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का पूर्ण रूप से विकास हो पाए और महात्मा गांधी जी के द्वारा जो स्वपन देखा गया था कि ग्रामीण क्षेत्र पूर्ण रूप से सक्षम हो वह पूरा हो सके। इस तरह से बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा अपने राजनीतिक जीवन में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर काफी ज्यादा बल दिया गया। जिस कारण से आज भारत के ग्रामीण क्षेत्र काफी ज्यादा सुदृढ़ व सक्षम है और वहां पर सभी सुविधाएं उपलब्ध है और इसका मुख्य श्रेय बाबू जगजीवन राम को जाता है। जिस कारण से भारत की राजनीति में बाबू जगजीवन राम की एक विशेष पहचान बन पाई है क्योंकि उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की गई है।

मजदूर वर्ग के हित में कार्य

बाबू जगजीवन राम जिस समय श्रम मंत्री बने तो उन्होंने मजदूर वर्ग के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। क्योंकि उस समय उन्होंने यह अनुभव किया कि कारखानों में फैक्ट्रियों के मालिक अपने मजदूरों से काफी ज्यादा काम करवाते हैं और उन्हें मजदूरी बहुत कम देते हैं जोकि कानूनी रूप से पूर्ण रूप से गलत था। इसे पूरी रूप से सुधारने के लिए उन्होंने सख्त आदेश जारी करते हुए फैक्ट्रियों व कारखानों के मालिकों को कहा कि अगर वे अपने मजदूरों को पूर्ण रूप से सही वेतन नहीं देंगे तो आने वाले समय में उनकी कंपनियां बंद कर दी जाएगी। जिसको देखते हुए

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

कारखानों व फैक्ट्रियों के मालिकों ने अपने मजदूरों को पूरा वेतन देना शुरू कर दिया और उनके काम के घंटे में निश्चित कर दिए। ताकि उन पर काम का भी ज्यादा बोझ न पड़ पाए। इस तरह से मजदूर वर्ग के लिए 8 घंटे निश्चित किए गए। ताकि वह 8 घंटे कार्य करने के बाद अपने घर जा सके। इस तरह से मजदूर वर्ग के कल्याण के लिए बाबू जगजीवन राम ने श्रम मंत्री रहते हुए काफी योजनाए तैयार की इसके साथ ही उन्होंने यह योजना भी तैयार की कि मजदूर वर्ग के बच्चों को स्कूलों में शिक्षा मुफ्त दी जाए। ताकि वे भी अच्छी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करके किसी अच्छे पद को प्राप्त कर सकें। इस तरह से ग्रामीण क्षेत्रों के परिपेक्ष्य से आते हुए बाबू जगजीवन राम के द्वारा मजदूर वर्ग के लिए भी काफी महत्वपूर्ण कार्य किए गए। क्योंकि वह मजदूर वर्ग की समस्याओं को समझते थे और वे उन्हें सुलझाना चाहते थे। इस तरह से बाबू जगजीवन राम के द्वारा श्रम मंत्री के रूप में मजदूर वर्ग को जो सम्मान से जीने का हक दिलाया यह पूरी तरह से मजदूर वर्ग के हित में था और आज भी वर्तमान समय में मजदूर वर्ग के साथ काम वाले स्थान पर कहीं पर भेदभाव नहीं होता है और इसका भी मुख्य श्रेय बाबू जगजीवन राम को जाता है क्योंकि उनके द्वारा मजदूरों की दशा में सुधार करने के लिए योजना तैयार की गई थी। इस तरह से मजदूरों के कल्याण के लिए योजनाए बनाकर बाबू जगजीवन राम ने भारतीय राजनीति में अपनी एक अलग छवि जनता के समक्ष बनाई और जनता के द्वारा उन्हें काफी प्रेम दिया गया।

महिलाओं के उत्थान पर बल

बाबू जगजीवन राम के द्वारा महिलाओं के उत्थान पर काफी ज्यादा बल दिया गया। क्योंकि वे इस बात को अच्छी तरह समझते थे कि अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो महिलाओं को भी पुरुषों के समान कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा और महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकालना होगा। क्योंकि जिस समय उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी उस समय महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित रखा जाता था। जिसे बाबू जगजीवन राम जी काफी गलत मानते थे। उनका मानना था कि महिलाओं को समाज में आगे लाना चाहिए और उन्हें अपनी आवाज उठाने का पूर्ण रूप से हक मिलना चाहिए। इसी बात पर कार्य करते हुए अपने मंत्री पद के कार्यकाल के दौरान उन्होंने महिलाओं को समाज में आगे लाने के लिए प्रेरित किया ताकि समाज में महिलाएं आगे आएं और समाज पूर्ण रूप से सशक्त हो सके और वे महिलाओं की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने महिलाओं को राजनीति में आगे आने के लिए काफी ज्यादा प्रेरित किया। क्योंकि वे जानते थे कि महिला ही महिलाओं की समस्याओं का समाधान कर सकती हैं और वे तभी हो पाएगा जब वे राजनीति में आ पाएगी। इस तरह से महिलाओं को राजनीति में आगे लाने में बाबू जगजीवन राम जी ने अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आज वर्तमान समय में भारतीय संसद में कैबिनेट के प्रमुख पदों पर महिलाएं विराजमान है। क्योंकि एक समय ऐसा था कि महिलाओ को घर में पैसे गिनने तक की इजाजत नहीं थी परन्तु आज भारत की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन है जोकि पूरे देश को पैसे बाँटने का कार्य कर रही है। इस तरह से बाबू जगजीवन राम के द्वारा जो महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास किए गए थे वे आज पूरी तरह से सफल हुए है। क्योंकि उन्हीं के द्वारा महिलाओं को राजनीति में आगे लाने के लिए प्रेरित किया गया था। इस तरह से महिलाओं को राजनीति व समाज में आगे लाने की योजना बनाकर भारतीय राजनीति में बाबू

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

जगजीवन राम की एक विशेष पहचान बन गयी और आज भी भारत की महिलाओं के द्वारा बाबू जगजीवन राम को याद किया जाता है।

एक ईमानदार व साफ छवि के नेता

बाबू जगजीवन राम एक ईमानदार व साफ छवि के नेता थे। क्योंकि उनके द्वारा कभी भ्रष्टाचार नहीं किया गया। उनके द्वारा हमेशा ही समाज के कल्याण के लिए योजनाए बनाई गई और उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े लोगों के उत्थान के लिए काफी ज्यादा योजनाए बनाई। इसके साथ ही उन्होंने समाज के पिछड़े वर्गों, दलित व अन्य सभी वर्गों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघर की सुविधा को भी उपलब्ध करवाया। इसके साथ ही किसानों के कल्याण के लिए उन्होंने बहुत ही अच्छी योजनाए बनाई थी। एक ईमानदार व साफ छवि के नेता के रूप में बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा भारतीय राजनीति में विशेष पहचान बनाई गई। इस कारण से आज भारत की जनता के द्वारा उन्हें याद किया जाता है। इस तरह से अगर कोई भी व्यक्ति ईमानदारी के साथ कार्य करता है और राजनीति में आकर भ्रष्टाचार नहीं करता तो उसकी विशेष रूप से एक अलग पहचान बन जाती है इसी तरह की साफ व स्वच्छ छवि वाले नेता के रूप में बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति में अपनी एक विशेष छाप छोड़ गए है। जिसको आज वर्तमान समय में भी देखा जाता है। क्योंकि आज भारत की जनता उन्हें एक आदर्श नेता के रूप में मानती है कि हमारा नेता बाबू जगजीवन राम जैसा होना चाहिए जोकि समाज के सभी वर्गों के हित के लिए कार्य करें। इस तरह से भारत की राजनीति में बाबू जगजीवन राम एक स्वच्छ, ईमानदार व साफ छवि वाले नेता के रूप में उभरे और उन्होंने समाज में अपनी एक विशेष पहचान बनाई। जिसने बाबू जगजीवन राम को राजनीतिक जीवन में एक विशेष स्थान दिलवा दिया।

भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाने का संकल्प

बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाने का संकल्प लिया गया। बाबू जगजीवन राम बहुत ही दूर दृष्टि वाले नेता थे। उनका मानना था कि भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाना ही होगा। क्योंकि भारत के द्वारा आजादी के तुरंत बाद गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाया गया था। क्योंकि भारत विकासशील राष्ट्रों की श्रेणी में था और जिस कारण से उन्होंने यह फैसला किया कि वह गुट निरपेक्ष राष्ट्र के रूप में रहकर अपने सहयोगी राष्ट्रों से सहायता लेकर स्वयं को विकसित करने का प्रयास करेगा। जिस कारण से अपने कार्यकाल के दौरान भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नई-नई योजनाए बनाई गई। उनका मानना था कि भारत वैश्विक स्तर पर आगे आए। बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाने का संकल्प लिया गया और उन्होंने अपने राजनीतिक कार्यकाल के दौरान विदेशी राष्ट्रों से भी अच्छे संबंध स्थापित किए। ताकि भारत के साथ उनके विशेष संबंध बन पाए और वे भारत को अपना सहयोग दें जिससे कि भारत आने वाले समय में निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर होकर विकसित राष्ट्र बन पाए और संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की एक विशेष पहचान बन पाए और आज वर्तमान समय में भारत निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर है। जिससे भविष्य में

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

यह उम्मीद की जा रही है कि भारत जल्द ही विकसित राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर हमारे समक्ष आएगा और इसका मुख्य श्रेय बाबू जगजीवन राम को ही जाता है। क्योंकि उन्हीं के द्वारा भारत को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने का संकल्प लिया गया। जिसको आज हम वर्तमान समय में अनुभव कर पा रहे हैं। क्योंकि भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लेकर जाने के लिए जो मुख्य रूप से संकल्प लिया गया था। वह बाबू जगजीवन राम के ही द्वारा लिया गया था। इस तरह से भारतीय नेताओं के लिए एक आदर्श के रूप में बाबू जगजीवन राम साबित हुए और आज भी वर्तमान समय में बाबू जगजीवन राम के द्वारा किए गए कार्यों की भारत की जनता के द्वारा सराहना की जा रही है। इस तरह से भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाने के लिए बाबू जगजीवन राम के द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए गए और उन्होंने यह संकल्प लिया कि भारत वैश्विक स्तर पर आगे आएगा और उन्होंने महिलाओं को भी समाज में आगे लाने का प्रयास किया क्योंकि वे इस बात को अच्छी तरह समझते थे कि भारत तभी विकसित राष्ट्र बन पाएगा जब महिलाएं समाज में आगे आयेगी। इस तरह से वैश्विक स्तर पर भारत को आगे लाने के लिए बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा अपना एक अमूल्य योगदान दिया गया। जिसे भारत की जनता के द्वारा कभी भुलाया नहीं जा सकता और इस तरह से भारत की राजनीति में बाबू जगजीवन राम की एक विशेष पहचान बन गई है।

बाबू जगजीवन राम के कार्यों की वर्तमान समय में प्रसांगिकता

बाबू जगजीवन राम के द्वारा अपने राजनीतिक कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की आज वर्तमान समय में हम प्रसंगिकता देख पा रहे हैं। क्योंकि आज भी समाज में वही समस्याएं व्याप्त हैं जो प्राचीन समय में थी। क्योंकि प्राचीन समय में अपने राजनीतिक कार्यकाल के दौरान बाबू जगजीवन राम के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए योजना बनाई गई थी। क्योंकि वह जानते थे कि किसानों का उत्थान देश के लिए काफी ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने मजदूर वर्ग, दलित वर्ग व महिलाओं आदि सभी के लिए कार्य करते हुए विभिन्न विभिन्न योजनाओं का निर्माण किया। ताकि सभी का एक समान विकास हो सके। उन्होंने देश की राष्ट्रीय एकता पर बल दिया जिसकी आज हम वर्तमान समय में प्रसंगिकता देख पा रहे हैं। क्योंकि बाबू जगजीवन राम एक इस तरह के नेता थे जोकि भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाना चाहते थे और उन्होंने अपनी नीतियों का निर्माण भी इस तरह से किया कि भारत वैश्विक स्तर पर आगे आ सके। इस तरह से बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा किए गए कार्यों की आज वर्तमान समय में पूर्ण रुप से प्रसंगिकता बनी हुई है। आज भारत की सरकार के द्वारा नागरिकों के उत्थान के लिए कार्य किए जा रहे हैं आज वर्तमान समय की सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कार्य कर रही है वह बाबू जगजीवन राम को अपना आदर्श मानते हुए कार्य कर रहे है। क्योंकि बाबू जगजीवन राम के द्वारा बिना भ्रष्टाचार के देश के विकास में अपना एक महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है और अपनी राजनीति में एक अलग पहचान बनाई गई है। जिसको देखते हुए वर्तमान सरकार के द्वारा नई नई योजनाए बनाई जा रही है ताकि बाबू

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

जगजीवन राम के द्वारा जो संकल्प लिया गया था जो स्वपन देखा गया था कि भारत आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर विशव शक्ति बन पाए। उसको पूरा किया जा सके। इस तरह से बाबू जगजीवन राम के द्वारा दिए गए विचारों व किए गए कार्यों की वर्तमान समय में पूर्ण रुप से प्रसांगिकता बनी हुई है और भविष्य में भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारतीय राजनीति में दिए गए अमूल्य योगदान को भारत की जनता के द्वारा याद रखा जाएगा।

शोध पत्र के परिणाम

इस शोध पत्र पर कार्य करने के बाद हमारे समक्ष यह परिणाम आ रहे हैं कि बाबू जगजीवन राम के द्वारा भारत के विकास में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन की गयी है। और उनकी भारतीय राजनीति में एक विशेष पहचान बनी हुई है क्योंकि वह एक साफ व स्वच्छ छवि के नेता थे। जिन्होंने कभी भ्रष्टाचार का सहारा नहीं लिया और उन्होंने हमेशा ही भारत के सभी वर्गों को मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित किया। व साथ ही उन्होंने देश के सभी वर्गों के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने पिछड़े वर्ग पर किसानों व महिलाओं के कल्याण के लिए भी नई-नई योजनाए बनाई ताकि भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लाया जा सके। इस तरह से इस शोध पत्र में यह पाया गया है कि बाबू जगजीवन राम एक दूर दृष्टि वाले नेता थे जो भारत को वैश्विक स्तर पर आगे लेकर जाना चाहते थे और आज जरूरत इस बात की है कि हम बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलें। तभी भारत वैश्विक स्तर पर आगे आ पाएगा और संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की एक विशेष पहचान बन पायेगी।

निष्कर्ष

अंत में निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति के एक महान नेता हैं। इस तरह के महान व्यक्तित्व के द्वारा भारत की राजनीति में दिए गए अमूल्य योगदान को देश की जनता के द्वारा कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज भी भारत की अधिकतर जनता उन्हें आदर्श नेता के रूप में देखती है क्योंकि आज भारत में बहुत सारे नेताओं के द्वारा भ्रष्टाचार का रास्ता अपनाया जाता है जोकि देश के हित में नहीं है। इस तरह से आज नेताओं को बाबू जगजीवन राम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। उन्हें धर्म व जाति की राजनीति बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। बल्कि उन्हें बाबू जगजीवन राम जी के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ग्रामीण क्षेत्र व शहरी दोनों क्षेत्रों का पूर्ण रूप से विकास करना चाहिए। ताकि देश उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो सके और आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर आगे आ सके। आज वर्तमान समय में बाबू जगजीवन राम के विचारों को मानते हुए नेताओं को देश के विकास में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। ताकि वे भी बाबू जगजीवन राम के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करके स्वयं राजनीतिक क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बना पाए। क्योंकि राजनीति के क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बना पाना बहुत ही मुश्किल कार्य है परंतु बाबू जगजीवन राम के द्वारा इतने ही सराहनीय कार्य किए गए जिन्हें आज भी हम महसूस कर रहे हैं और बाबू जगजीवन राम को याद करके उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

The Asian Thinker

Year-6 Volume: I, January-March, 2024 Issue-21 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस तरह से इस तरह के महान व्यक्तित्व के जीवन से प्रेरणा लेकर आज के नेताओं को देश के विकास में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी तभी आने वाले समय में भारत वैश्विक स्तर पर एक अलग राष्ट्र के रूप में उभर कर हमारे समक्ष आ पाएगा और संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की एक अलग पहचान बन पाएगी।

संदर्भ

1. कुमार हरीश, शोध पत्र, जर्नल ऑफ़ इमरजिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव रिसर्च, Vol-6, Issue-6, जून-2019, "DR. BABU JAGAJIVAN RAM ROLE IN THE MAKING OF MODERN INDIA" **https://www.jetir.org/papers/JETIR1906A68.pdf**

2. राम संत, पुस्तक, वाणी प्रकाशन- नई दिल्ली, नवम्बर 2016 "बाबू जगजीवन राम और दलित" **https://books.google.co.in/books?id=VsU1DgAAQBAJ&pg=PA236&lpg=PA236&dq=बाबू+जगजीवन+राम+शोध+पत्र&source=bl&ots=saEQE2SyBb&sig=ACfU3U0rqVg_heW2zIezs4DazC9GjQtuUQ&hl=en&sa=X&ved=2ahUKEwja85fQjJPzAhXp4XMBHYDPA7IQ6AF6BAgwEAM#v=onepage&q&f=false**

3. आलम खुर्शीद, पुस्तक, प्रभात प्रकाशन, जनवरी 2019, "दलितों के उत्थान में बाबू जगजीवन राम का योगदान" **https://books.google.co.in/books?id=kvNAEAAAQBAJ&pg=RA3-PA39&lpg=RA3-PA39&dq=बाबू+जगजीवन+राम+की+समाज+उत्थान+में+भूमिका&source=bl&ots=n1xHI9ZBrr&sig=ACfU3U1WvnVWrVLg0yy1HnSEzR2O81vh5g&hl=en&sa=X&ved=2ahUKEwiYoZn4kpPzAhVbWysKHWakAow4ChDoAXoECCsQAw#v=onepage&q&f=false**

4. फ्रेडलेंडर पिटर, शोध पत्र, मई- 2020, "Reassessing Religion and Politics in the Life of Jagjivan Ram" **https://www.researchgate.net/publication/341126594_Reassessing_Religion_and_Politics_in_the_Life_of_Jagjivan_Ram**

5. दैनिक जागरण,ऑनलाइन वेबसाइट, आलेख, "ऐसे थे जगजीवन राम" **https://www.jagran.com/blogs/days/jagjeevan-ram-profile-in-hindi/**

6. नैमिनशराय मोहनदास, आलेख, फारवर्ड प्रेस ऑनलाइन वेबसाइट, अप्रैल- 2018, "बाबू जगजीवन राम : जिन्हें नहीं रोक पाया द्विजों का मनुवाद" **https://www.forwardpress.in/2018/04/babu-jagjivan-ram-hindi/**

7. दैनिक भास्कर, आलेख, "समावेशी समाज के पुरोधा-बाबू जगजीवन राम"

The Asian Thinker

https://www.bhaskar.com/BIH-PAT-HMU-MAT-latest-patna-news-021502-2327389-NOR.html/

8. दृष्टि आईएस ऑनलाइन वेबसाइट, आलेख, बाबू जगजीवन राम के जीवन की जानकारी, **https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/babu-jagjivan-ram**

The Asian Thinker